Maharashtra Board Solutions for Class 7- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 7- जहाँ चाह, वहाँ राह

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com, 52, Shilpa Nagar, Somalwada Nagpur - 440015
Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888, **Website:** https://www.indcareer.com

https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-7-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-7-jaha-chah-vaha-rah/

Maharashtra Board Solutions for Class 7- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 7- जहाँ चाह, वहाँ राह

Class 7: Hindi Sulabhbharati Chapter 7 solutions. Complete Class 7 Hindi Sulabhbharati Chapter 7 Notes.

Maharashtra Board Solutions for Class 7- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 7- जहाँ चाह, वहाँ राह

Maharashtra Board 7th Hindi Sulabhbharati Chapter 7, Class 7 Hindi Sulabhbharati Chapter 7 solutions

Questions and Answers

बताओ तो सही:

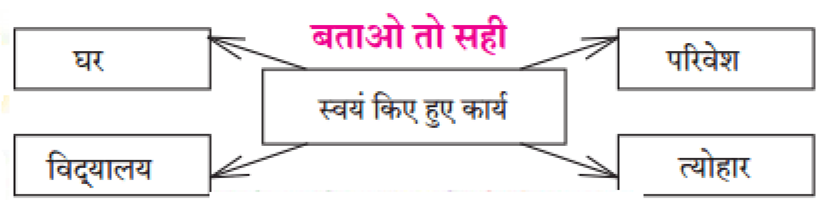

Answer:

		स्वयं किए हुए कार्य
१.	**घर:**	मैं घर में अपने कमरे की साफ-सफाई स्वयं करती हूँ और अपने सारे कपड़ों को अच्छे से सहेज कर अलमारी में रखती हूँ।
२.	**परिवेश:**	मैं अपने परिवेश के पेड़-पौधों में पानी डालती हूँ।
३.	**विद्यालय:**	मैं हर दिन विद्यालय के श्यामपट्ट को साफ करती हूँ और ऊपर एक कोने में सुविचार लिखती हूँ।
४.	**त्योहार:**	मैं त्योहार पर अपने पड़ोसियों के घर मिठाई बाँटने एवं बधाइयाँ देने जाती हूँ।

विचार मंथन:

"श्रद्धा और विज्ञान, जीवन के दो पक्ष महान" विषय पर अपने विचार लिखिए। (अनुच्छेद-लेखन)

Answer:

'श्रद्धा' शब्द का अर्थ है विश्वास और 'विज्ञान' शब्द का अर्थ है संशोधन के माध्यम से सिद्ध की हुई बात। श्रद्धा अधिक होने से अंधश्रद्धा निर्माण होती है। किसी कार्य के प्रति श्रद्धा (विश्वास) ही मनुष्य को लक्ष्य की ओर ले जाती है। इसलिए मनुष्य को अपने कार्य में गहन विश्वास होना चाहिए। विज्ञान वहीं विश्वास हमें दिलाता है। विज्ञान कई अंधश्रद्धा को अपनी विज्ञान की कसौटी पर कसकर उन्हें झूठ साबित करता है। विज्ञान ही है, जिसने मनुष्य को अंधविश्वास से दूर करके उसमें आत्मविश्वास पैदा किया है। श्रद्धा विज्ञान की कसौटी पर कसकर ही और अधिक पक्की व दृढ़ बन जाती है। श्रद्धा मनुष्य में विश्वास उत्पन्न करती है, तथा विज्ञान उसे जीवन की आधुनिक राह दिखाता है। श्रद्धा और विज्ञान ही मानव को जीवन की सही राह दिखाते हैं, वे जीवन के दो महान पक्ष हैं। इन दो पक्षों के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को सुंदर, समर्थ व सशक्त बना सकता है।

अध्ययन कौशल:

संदर्भ स्रोतों द्वारा निम्न रोगों से बचने के लिए दिए जाने वाले टीकों की जानकारी लिखिए।

रोग	टीका	रोग	टीका
तपेदिक(टीबी)	बी.सी.जी	टायफॉइड (मोतीझरा)	
डिप्थीरिया		रुबेला	
खसरा		हैपेटाइटिस ए	
रोटावायरस		टिटनस	

Answer:

रोग	टीका	रोग	टीका
तपेदिक(टीबी)	बी.सी.जी	टायफॉइड (मोतीझरा)	**टायफॉइड टीका**
डिप्थीरिया	**डी.पी.टी.**	रुबेला	**एम.एम.आर.**
खसरा	**मीजल्स**	हैपेटाइटिस ए	**हैपेटाइटिस ए**
रोटावायरस	**रोटावायरस टीका**	टिटनस	**टी.टी.**

खोजबीन:

भारतीय सेना संबंधी जानकारी ढूँढो और लिखो।

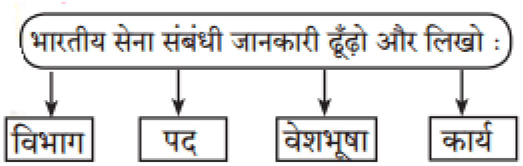

Answer:

क्र.	विभाग	पद	पोशाक	कार्य
१.	भारतीय थल सेना	थल सेनाध्यक्ष	हरे रंग की वर्दी	भारतीय थल सेना का कार्य राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रवाद की एकता सुनिश्चित करना, राष्ट्र को बाहरी आक्रमण और आंतरिक खतरों से बचाना और अपनी सीमाओं पर शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
२.	भारतीय जल सेना	जल सेनाध्यक्ष	सफेद रंग की वर्दी	भारतीय जल सेना का कार्य समुद्री रास्ते से आने वाले आतंकवादियों को पकड़ना, चक्रवाती तूफानों जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय तलाश और बचाव अभियानों में जान-माल की रक्षा करना, डूबे हुए जहाजों की तलाश करना एवं भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की रक्षा करना है।
३.	भारतीय वायु सेना	वायु सेनाध्यक्ष	हल्के नीले रंग की वर्दी	वायु युद्ध, वायु सुरक्षा एवं वायु चौकसी का महत्त्वपूर्ण कार्य वायु सेना देश के लिए करती है।

वाचन जगत से*:*

गणतंत्र दिवस पर सम्मानित बच्चों के बहादुरी के प्रसंग पढ़ो और पसंदीदा किसी एक का वर्णन करो।

Answer:

गणतंत्र दिवस पर सम्मानित बच्चों के बहादुरी के प्रसंगों में से मेरे पसंदीदा प्रसंग का वर्णन निम्नलिखित है:

५ मई, २०१६ को विशाल ठाकुर घर पर अपनी माँ विमला और छोटे भाई के साथ था। उसके पिता काम से बाहर गए थे। तभी एक अनजान व्यक्ति उनके घर आया और अपने आप को उसके पिता जी का दोस्त बताया। विशाल की माँ ने जब उसके पिता को फोन करके बताया तो उन्होंने उस अनजान व्यक्ति को नहीं पहचाना। फिर वह व्यक्ति शौचालय जाने के बहाने घर के अंदर आया और अपनी जेब से छुरा निकालकर विशाल की माँ के गले पर रखा। उसने विशाल से घर की सारी कीमती चीजें और पैसे लाने के लिए कहा।

विशाल उस चोर के पैर पकड़कर अपनी माँ को छोड़ने की गुहार करने लगा और फिर उसने चोर के पैर पकड़कर उसे गिरा दिया। चोर के नीचे गिरते ही सभी ने मिलकर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। विशाल की इस बहादुरी के लिए उसे गणतंत्र दिवस पर जनरल राष्ट्रीय शौर्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-7-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-7-jaha-chah-vaha-rah/

सदैव ध्यान में रखो:

दृढ़ संकल्पों से ही सपने साकार होते हैं।

किसने किससे कहा है ***?***

Question 1.

“आज इतने विद्यार्थियों के अनुपस्थित रहने का कारण क्या है**?”**

Answer:

गुरुजी ने विद्यार्थियों से कहा।

Question 2.

“जब कभी शहर गए हैं**,** बड़े**-**बड़े पुल देखे भी हैं।”

Answer:

आशीष ने मित्रों से कहा।

किसने किससे कहा है ***?***

Question 1.

कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखिए।

Answer:

प्रस्तुत कहानी का शीर्षक ‘जहाँ चाह, वहाँ राह’ अत्यंत सटिक एवं योग्य है। गाँव में बरसात के मौसम में आने वाली उस नाले रूपी मुसीबत की ओर किसी का ध्यान नहीं गया था। किंतु शिक्षा की आस से अभिभूत होकर उन बच्चों ने नाले पर पुल बनाने का निश्चय किया। उन सभी बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और लगन थी इसी रुचि ने उनके हौसले को बढ़ाया। ज्ञान की चाह ने उन्हें नाले पर पुल बनाने की प्रेरणा दी और उनकी पाठशाला की राह उन्हें मिल गई। अगर मनुष्य में हौसला हो, तो वह किसी भी वस्तु की चाहत में अपनी राह ढूँढ़ ही निकालता है।

Question 2.

अपनी आँखों देखी किसी घटना का वर्णन कीजिए।

Answer:

कई साल पहले मैं अपने परिवार के साथ मुंबई दर्शन करने गया था। हम विरार से चर्चगेट का सफर लोकल ट्रेन से तय करने वाले था। सफर के दौरान ट्रेन में बड़ी भीड़ थी हम जैसे-तैसे ट्रेन में चढ़े। अगले दो स्टेशन के बाद ही भीड़

और अधिक बढ़ गई। ट्रेन में खड़े होने की भी जगह न थी। कई लोग दरवाजे पर भी लटक रहे थे। उसमें से एक आदमी खिड़की के पास लटका हुआ बाहर की ओर झूल रहा था। लोकल ट्रेन सामने की ओर से जा रही थी। ट्रेन में शोर और कोलाहल था।

कई लोग उस आदमी को ऊपर की और खिंचना चाहते थे कि एकाएक सभी लोग शांत हुए और एक जोर की आवाज हुई। खिड़की से लटके हुए आदमी के हाथ की पकड़ ढीली पड़ने से वह नीचे गिर गया। उसकी मृत्यु हो गई। तुरंत ही ट्रेन की चैन खिंची गई। ट्रेन रुक गई किंतु उस वक्त सब कुछ व्यर्थ था। उस व्यक्ति के प्राण पखेरू उड़ चुके थे। यह मेरे जीवन की सबसे दर्दनाक व शोकभरी घटना है। इस घटना की दुखद छाप आज भी मेरे मानस पटल पर स्थित है।

Question 3.

'जहाँ चाह, वहाँ राह' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

मनुष्य अगर मन में ठान ले, तो वह किसी भी हालत में अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकता है। प्रस्तुत पाठ के बच्चों ने मन में ठान लिया था कि उनकी पढ़ाई व भविष्य में बाधा डालने वाले उस नाले पर वे पुल बनाएंगे। जब मनुष्य अपना लक्ष्य निश्चित करता है, तो उसे पाने के लिए वह सारे प्रयास करता है। उसके लिए दिन-रात एक करता है। अपने राह में आनेवाली सारी मुसीबतों का सामना करता है। प्रस्तुत पाठ में बच्चों ने गाँव के बड़े-बूढ़े लोगों में इस कार्य के प्रति प्रेरणा निर्माण की और उनकी मदद से सभी ने मिलकर नाले पर पुल बनाने के कार्य को पूर्ण किया। अतः जहाँ कार्य के प्रति लगन होती है, वहाँ सफलता अवश्य मिलती है।

भाषा की ओर*:*

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ो और मोटे अक्षरों में छपे शब्दों पर ध्यान दो, पढ़कर उद्देश्य-विधेय अलग करके लिखो :

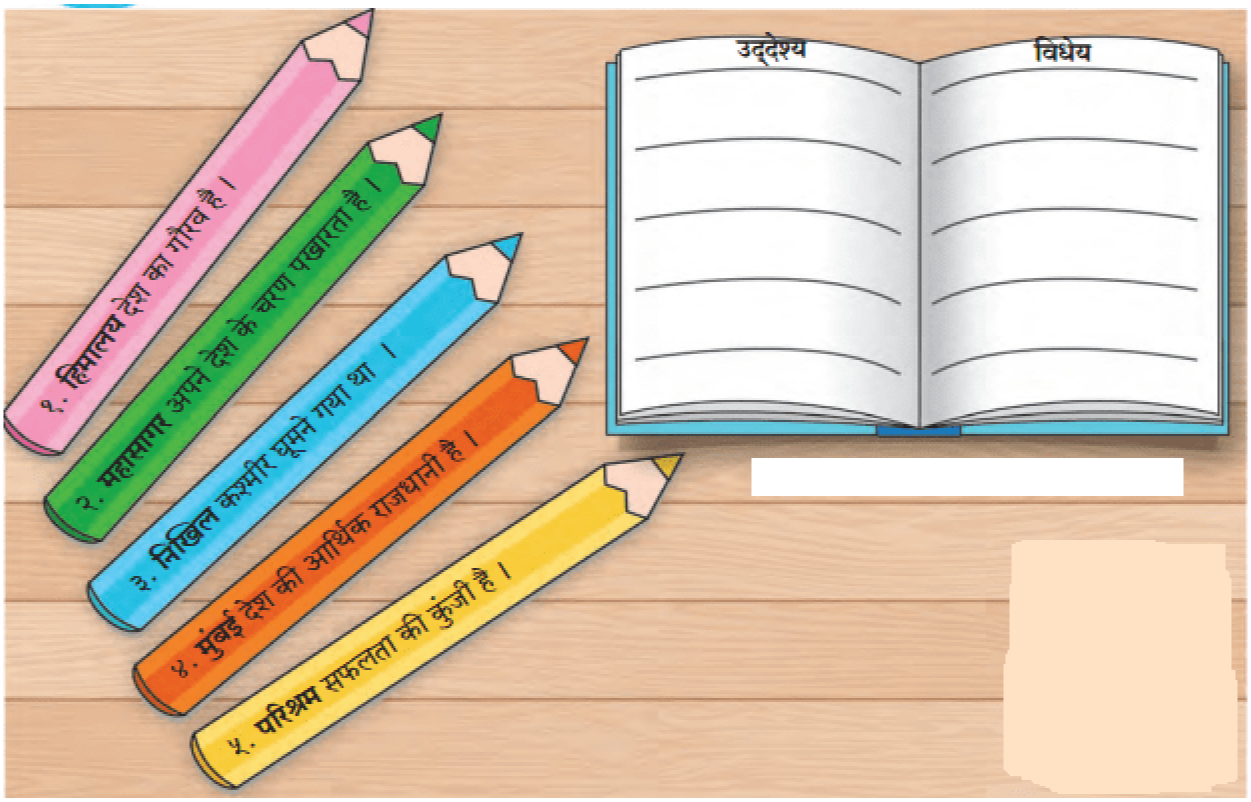

Answer:

क्र.	उद्देश्य	विधेय
१.	हिमालय	देश का गौरव है
२.	महासागर	अपने देश के चरण पखारता है
३.	निखिल	कश्मीर घूमने गया था
४.	मुंबई	देश की आर्थिक राजधानी है
५.	परिश्रम	सफलता की कुंजी है

Additional Important Questions and Answers

निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(बरसात, नाला, संभव, समस्या, माहौल, बंजर, श्रमदान, हौसले)

Question 1.

सभी ने एकता, संगठन और ....' का महत्त्व भी समझा था।

Answer:

श्रमदान

Question 2.

येसंबा गाँव के ठीक बीच से एक ...." बहता था।

Answer:

नाला

Question 3.

दामिनी की बातों ने बातचीत का .... बदल दिया।

Answer:

माहौल

Question 4.

पुल भी विद्यार्थियों के .... को दाद दे रहा था।

Answer:

हौसले

Question 5.

धुआँधार .... हो रही थी।

Answer:

बरसात

Question 6.

हर ……………” का निदान संभव है।

Answer:

समस्या

Question 7.

……… जमीन से मिट्टी खोदी गई।

Answer:

बंजर

Question 8.

असंभव में मूल शब्द …….. होता है।

Answer:

संभव

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए।

Question 1.

गाँव का नाम क्या था?

Answer:

येसंबा

Question 2.

नाले में कितने फीट पानी भरता था?

Answer:

चार से पांच फीट

Question 3.

अच्छी श्रेणी लाने वाले विद्यार्थी किस परीक्षा में पीछे रह जाते?

Answer:

वार्षिक

Question 4.

बच्चे किस पेड़ के नीचे बैठे थे?

Answer:

बरगद

Question 5.

शुभम की कुल उपस्थिति कितनी थी?

Answer:

चौदह दिन

Question 6.

प्रकृति ने विचार करने के लिए मनुष्य को क्या दिया है?

Answer:

बुद्धि

Question 7.

बच्चों ने नाले पर क्या बनवाने का निश्चय किया?

Answer:

पुल

Question 8.

छगनबाबा ने पुल बनवाने के लिए क्या दिया?

Answer:

रेत

Question 9.

पुल कितने दिनों में तैयार हुआ?

Answer:

पंद्रह

Question 10.

जुई ने किसकी सहायता से पुल के उद्घाटन का वृत्तांत बनाया?

Answer:

बड़े भाई की

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।

Question 1.

प्रार्थना कक्षा में क्यों संपन्न हुई?

Answer:

वर्षा के कारण प्रार्थना मैदान पर न होकर कक्षा में संपन्न हुई।

Question 2.

बच्चों ने किस पंक्ति को गीत की तरह गाकर तालियाँ बजाई?

Answer:

'हम बच्चे कर भी क्या सकते हैं। इस पंक्ति को गीत की तरह गाकर बच्चों ने तालियाँ बजाई।

Question 3.

बच्चों में किसके स्वर ने आत्मविश्वास भर दिया?

Answer:

बच्चों में दामिनी के स्वर ने आत्मविश्वास भर दिया।

Question 4.

विद्यार्थियों ने किस पुस्तक में पुल बनाने की जानकारी पढ़ी थी?

Answer:

विद्यार्थियों ने विज्ञान की पुस्तक में पुल बनाने की जानकारी पढ़ी थी।

Question 5.

पुल बनाने की सामग्री खरीदने के लिए आरंभ में हर एक से कितने रुपये लिए गए?

Answer:

पुल बनाने की सामग्री खरीदने के लिए आरंभ में हर एक से बीस-बीस रुपये लिए गए।

Question 6.

गाँव वालों के लिए अद्भुत उपलब्धि कौन-सी थी?

Answer:

पुल का बनना गाँव वालों के लिए अद्भुत उपलब्धि थी।

Question 7.

जूही ने कौन-सा वृत्तांत बनाया?

Answer:

जूही ने 'पुल के उद्घाटन' का वृतांत बनाया।

निम्नलिखित वाक्य किसने, किससे कहा?

Question 1.

"आज इतने विद्यार्थियों के अनुपस्थित रहने का

कारण क्या है?"

Answer:

गुरुजी ने विद्यार्थियों से कहा।

Question 2.

"अरे! इस बरगद के पेड़ में भूत है। वहाँ क्यों बैठे हो?"

Answer:

तुषार ने अपने मित्रों से कहा।

Question 3.

"भूत-बूत सब कोरी कल्पना और बकवास है। क्या हम में से किसी ने भूत देखा है? सब केवल मनगढ़त बातें हैं।"

Answer:

जुई ने अपने मित्रों से कहा।

Question 4.

"मेरी तो कुल उपस्थिति ही शायद चौदह होगी।"

Answer:

शुभम ने मित्रों से कहा।

Question 5.

"हम कर भी क्या सकते हैं। हम तो बच्चे हैं।"

Answer:

तुषार ने मित्रों से कहा।

Question 6.

"हँसो मत! कोई कुछ कर सकता है तो वह हम ही हैं।"

Answer:

दामिनी ने मित्रों से कहा।

Question 7.

"जब कभी शहर गए हैं, बड़े-बड़े पुल देखे भी हैं।"

Answer:

आशीष ने मित्रों से कहा।

Question 8.

“हम नाले पर पुल बनाएँगे।”

Answer:

आशीष ने मित्रों से कहा।

निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत लिखिए।

1. प्रार्थना मैदान पर हुई।
2. गाँव के बीच से एक झरना बहता था।
3. ज़ोर की बारिश में विद्यार्थी स्कूल नहीं जाते थे।
4. बरगद के पेड़ में भूत था।
5. पुल बनाने के लिए दो महीने लगे।
6. छगनबाबा ने पुल बनाने के लिए रेत दी।
7. सभी लोग विद्यार्थियों की प्रशंसा कर रहे थे।
8. सबके संगठित प्रयासों से पुल तैयार हुआ।

Answer:

1. गलत
2. गलत
3. सही
4. गलत
5. गलत
6. सही
7. सही
8. सही

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए।

Question 1.

बरसात के मौसम में येसंबा गाँव के बच्चे पाठशाला में अनुपस्थित क्यों रहते थे**?**

Answer:

येसंवा गाँव के बीच से एक नाला बहता था। बरसात के मौसम में नाले में कई बार चार से पांच फीट तक पानी भरता था। बच्चों के लिए यह नाला लाँघना असंभव था। इसलिए उन दिनों येसंबा गाँव के बच्चे पाठशाला में अनुपस्थित रहते थे।

Question 2.

गाँव का नाला, बरसात व बच्चों की पाठशाला के चलते गाँव में कौन-सा गाना प्रचलित हो चुका था?

Answer: गाँव का नाला, बरसात व बच्चों की पाठशाला के चलते "गाँव में बरसात, नाले में भरा पानी, पाठशाला से छुट्टी, येसंबा की यही कहानी' यह गाना प्रचलित हो चुका था।

Question 3.

बच्चों ने क्या निश्चय किया और क्यों?

Answer:

बच्चों ने नाले के ऊपर पुल बनाने का निश्चय किया क्योंकि वह नाला बरसात के मौसम में पानी से भर जाता था। उसके चलते सभी बच्चों को पाठशाला में अनुपस्थित रहना पड़ता था।

Question 4.

किन-किन लोगों के संगठित प्रयासों से पुल का काम आकार लेने लगा?

Answer:

बुजुर्गों के अनुभव, युवाओं की शक्ति और विद्यार्थियों के उत्साह के संगठित प्रयासों से पुल का काम आकार लेने लगा।

पाठ में आए हिंदी-मराठी समोच्चारित शब्दों की सूची बनाइए।

Answer:

हिंदी के शब्द	मराठी के शब्द
गाँव, पानी, नाला, छुट्टी, हाथ, ताली, बीस, ईंट, खेलते	गाव, पाणी, नाळा, सुट्टी, हात, टाळी, वीस, वीट, खेळते

व्याकरण और भाषाभ्यास

निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. पाठशाला
2. बरसात

3. नुकसान
4. राशि
5. हाथ
6. आनंद

Answer:

1. विद्यालय, स्कूल
2. वर्षा, बारिश
3. हानि, घाटा
4. धन, पैसा
5. हस्त, कर
6. हर्ष, खुशी, उल्लास

निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

1. ग्रामीण
2. आगे
3. उपस्थित
4. संभव
5. फायदा
6. विश्वास
7. गाँव
8. बंजर
9. हँसना

Answer:

1. शहरी
2. पीछे
3. अनुपस्थित
4. असंभव
5. नुकसान
6. अविश्वास
7. शहर
8. उर्वर
9. रोना

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।

1. बस्ती
2. बरसात

3. नाला
4. छुट्टी
5. अनुपस्थिति
6. बात
7. ताली
8. समस्या
9. पुस्तक
10. सामग्री
11. कठिनाई
12. बच्चा

Answer:

1. बस्तियों
2. बरसातें
3. नाले
4. छुट्टियाँ
5. अनुपस्थितियाँ
6. बातें
7. तालियाँ
8. समस्याएँ
9. पुस्तकें
10. सामग्रियाँ
11. कठिनाइयाँ
12. बच्चे

निम्नलिखित शब्दों में मूलशब्द और प्रत्यय अलग अलग करके लिखिए।

1. उपस्थिति
2. विद्यार्थीगण
3. वार्षिक
4. कठिनाई
5. सामूहिक
6. सज्जनता
7. जानकारी
8. मिलकर

Answer:

मूलशब्द	प्रत्यय
उपस्थित	इ
विद्यार्थी	गण
वर्ष	इक
कठिन	आई

मूलशब्द	प्रत्यय
समूह	इक
सज्जन	ता
जानकार	ई
मिल	कर

प्रस्तुत कहानी में आए विरामचिह्नों को चुनकर उनका भेद लिखिए।

Answer:

।	पूर्णविराम
,	अल्पविराम
;	अर्धविराम
?	प्रश्नचिह्न

!	विस्मयादिबोधक चिह्न
‘ ’	इकहरा उद्धरण/अवतरण चिह्न
“ ”	दोहरा उद्धरण/अवतरण चिह्न
-	योजक चिह्न

प्रस्तुत पाठ में आए पुनरुक्त शब्दों के जोड़े चुनकर लिखिए।

Answer:

- जब-जब
- बड़े-बड़े
- छोटे-छोटे
- बीस-बीस
- देखते-देखते
- एक-एक
- ज़ोर-ज़ोर

निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय अलग करके लिखिए।

Question 1.

हिमालय देश का गौरव है।

Answer:

उद्देश्य – हिमालय

विधेय – देश का गौरव है।

Question 2.

महासागर अपने देश के चरण पखारता है।

Answer:

उद्देश्य – महासागर

विधेय – अपने देश के चरण पखारता है।

Question 3.

निखिल कश्मीर घूमने गया था। Answer: उद्देश्य – निखिल

विधेय – कश्मीर घूमने गया था।

Question 4. मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है।

Answer:

उद्देश्य – मुंबई

विधेय – देश की आर्थिक राजधानी है।

Question 5.

परिश्रम सफलता की कुंजी है।

Answer:

उद्देश्य – परिश्रम

विधेय – सफलता की कुंजी है।

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक रेखांकित करके भेद लिखिए।

Question 1.

येसंबा गाँव के ठीक बीच से एक नाला बहता था।

Answer:

के – संबंध कारक, से – करण कारक

Question 2.

जुई ने कहकर बातचीत आगे बढ़ाई।

Answer:

ने – कर्ता कारक

Question 3.

इस बरगद के पेड़ में भूत है।

Answer:

के – संबंध कारक, में – अधिकरण कारक

Question 4.

प्रकृति ने विचार करने के लिए हमें बुद्धि दी है।

Answer:

ने – कर्ता कारक, के लिए – संप्रदान कारक

Question 5.

बंजर जमीन से मिट्टी खोदी गई।

Answer:

से – अपदान कारक

Question 6.

क्या हम में से किसी ने भूत देखा है?

Answer:

में – अधिकरण कारक, से- करण कारक ने- कर्ताकारक

Maharashtra Board Solutions Class 7 Hindi

Part 1

- Chapter 1- वाचन मेला
- Chapter 2- फूल और काँटे
- Chapter 3- दादी माँ का परिवार
- Chapter 4- देहात और शहर
- Chapter 5- बंदर का धंधा
- Chapter 6- 'पृथ्वी' से 'अग्नि' तक
- Chapter 7- जहाँ चाह, वहाँ राह
- Chapter 8- जीवन नहीं मरा करता है
- अभ्यास – १
- पुनरावर्तन – १

Part 2

- Chapter 1- अस्पताल
- Chapter 2- बेटी युग
- Chapter 3- दो लघुकथाएँ
- Chapter 4- शब्द संपदा
- Chapter 5- बसंत गीत
- Chapter 6- चंदा मामा की जय
- Chapter 7- रहस्य
- Chapter 8- हम चलते सीना तान के
- अभ्यास - २
- अभ्यास – ३
- पुनरावर्तन - २

About About Maharashtra State Board (MSBSHSE)

The Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education or MSBSHSE (Marathi: महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ), is an **autonomous and statutory body established in 1965**. The board was amended in the year 1977 under the provisions of the Maharashtra Act No. 41 of 1965.

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education (MSBSHSE), Pune is an independent body of the Maharashtra Government. There are more than 1.4 million students that appear in the examination every year. The Maha State Board conducts the board examination twice a year. This board conducts the examination for SSC and HSC.

The Maharashtra government established the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, also commonly referred to as Ebalbharati, in 1967 to take up the responsibility of providing quality textbooks to students from all classes studying under the Maharashtra State Board. MSBHSE prepares and updates the curriculum to provide holistic development for students. It is designed to tackle the difficulty in understanding the concepts with simple language with simple illustrations. Every year around 10 lakh students are enrolled in schools that are affiliated with the Maharashtra State Board.

FAQs

Where do I get the Maharashtra State Board Books PDF For free download?

You can download the Maharashtra State Board Books from the eBalbharti official website, i.e. cart.ebalbharati.in or from this article.

Add image

How to Download Maharashtra State Board Books?

Students can get the Maharashtra Books for primary, secondary, and senior secondary classes from here. You can view or download the Maharashtra State Board Books from this page or from the official website for free of cost. Students can follow the detailed steps below to visit the official website and download the e-books for all subjects or a specific subject in different mediums.

Step 1: Visit the official website *ebalbharati.in*

Step 2: On the top of the screen, select "Download PDF textbooks"

Step 3: From the "Classes" section, select your class.

Step 4: From "Medium", select the medium suitable to you.

Step 5: All Maharashtra board books for class 11th will now be displayed on the right side.

Step 6: Click on the "Download" option to download the PDF book.

Who developed the Maharashtra State board books?

As of now, the MSCERT and Balbharti are responsible for the syllabus and textbooks of Classes 1 to 8, while Classes 9 and 10 are under the Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education (MSBSHSE).

How many state boards are there in Maharashtra?

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education, conducts the HSC and SSC Examinations in the state of Maharashtra through its nine Divisional Boards located at Pune, Mumbai, Aurangabad, Nasik, Kolhapur, Amravati, Latur, Nagpur and Ratnagiri.

About IndCareer

IndCareer.com is a leading developer of online career guidance resources for the Indian marketplace. Established in 2007, IndCareer.com is currently used by over thousands of institutions across India, including schools, employment agencies, libraries, colleges and universities.

IndCareer.com is designed to assist you in making the right career decision - a decision that meets your unique interests and personality.

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com

52, Shilpa Nagar,

Somalwada

Nagpur - 440015

Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888

Website: https://www.indcareer.com